

विद्यालय में अध्ययन करने वाले किशोर लड़कों एवं लड़कियों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन

देवप्रभा कुमारी ¹, डॉ० अंकिता गुप्ता ²

प्राप्ति: 22 सितम्बर 2026 / स्वीकृत: 29 सितम्बर 2026 / प्रकाशित ऑनलाइन: 30 सितम्बर 2026

Copyright © 2026 Author(s). Published by Siri Research Foundation. This is an open access article distributed under the Creative Commons Attribution International License (CC BY 4.0).

सारांश

पृष्ठ भूमि: खाद्य उत्पाद भारत में द्वितीय स्थान पर सबसे अधिक विज्ञापित उत्पाद है और यह देश के प्रमुख तीन विज्ञापित उत्पादों में से एक है। जबकि कई कारक बच्चों के खाद्य व्यवहार एवं उनकी भोजन की पसंद को प्रभावित करते हैं।

उद्देश्य: किशोरों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन।

क्रिया विधि: शोध का डिजाइन क्रॉस अनुभागीय है जिसमें अलीगढ़ जिले के ब्लॉकों में स्थित विद्यालय के 11-18 वर्ष के 400 विद्यालयी छात्र छात्राओं पर अध्ययन किया गया। ऑकड़ों को प्राप्त करने के लिये स्व निर्मित प्रश्नावली उपयोग में लायी गयी।

परिणाम: शोध के परिणामों में पाया गया कि किशोरों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) लड़कों में 1.721 ± 1.176 पाया गया। जबकि लड़कियों में 1.724 ± 1.178 पाया गया। कुल लड़कों व लड़कियों का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) 1.712 ± 1.167 पाया गया।

खाद्य पदार्थों की खपत के महत्वपूर्ण कारकों में देखा गया कि भोज्य पदार्थों का स्वादिष्ट होना, आकर्षित पैकिंग, कम समय में जल्दी उपलब्ध व बनकर तैयार होने के कारण एवं सस्ता होने के कारणों में से भोज्य एवं पेय पदार्थों का स्वादिष्ट होना सबसे अधिक किशोरों में खपत को प्रभावित करता है।

निष्कर्ष: निष्कर्ष में पाया गया कि 48 प्रतिशत लड़कियों की तुलना में 51 प्रतिशत लड़कें विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों के स्वादिष्ट होने के कारण प्रभावित होती हैं।

मुख्य शब्द: खाद्य विज्ञापन, किशोर, जंक फूड, कारक।

प्रस्तावना

विज्ञापन संचार एवं विपणन का एक सशक्त माध्यम है। किसी भी उत्पाद की सफलता विज्ञापन पर निर्भर करती है। विज्ञापन के अभाव में कोई भी उत्पाद सफल नहीं हो सकता है। चाहे वह कितना भी अच्छा क्यों न हो, क्योंकि लोगों को जब तक उस उत्पाद के बारे में जानकारी नहीं होगी, वह उस उत्पाद को तब तक खरीदेगा नहीं। (इनसाइक्लोपीडिया 18 सितम्बर 2023)। स्कूल वह स्थान है जहाँ बच्चे अपना अधिकतर समय बिताते हैं। स्कूल में हम उनकी स्वस्थ आदतों को रखते हैं। जंक फूड

1 शोधार्थिनी (पीएच.डी. शोध छात्रा), गृह विज्ञान, डॉ० भीमराव आम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश

✉ देवप्रभा कुमारी, E-mail: devprabha123@gmail.com

2 सहायक प्रोफेसर, पोषण विज्ञान, सतत शिक्षा विद्यापीठ, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

खाने अस्वास्थ्यकर होता है जिससे मोटापा बढ़ता है। जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। (कौशिक इत्यादि., 2011)। F.S.S.A.I. के अनुसार F.S.S.A.I. ने स्कूल परिसर में और स्कूल के आस पास के पचास मीटर के दायरे में जंक फूड की बिक्री और विज्ञापन पर प्रतिबन्ध लगा दिया है। स्कूलों में कैंटीन और रसोई को चलाने के लिए F.S.S.A.I. से लाइसेंस लेना पड़ता है (F.S.S.A.I. दिल्ली 2020 इण्डियाटूडे.इन)।

फास्ट फूड सेवन एक वैश्विक घटना के रूप में उभरकर आई है। भारत में फास्ट फूड प्रत्येक साल 40 प्रतिशत की दर से वृद्धि कर रहा है। वार्षिक कुल व्यय में 2.1 प्रतिशत व्यय के साथ भारत प्रति व्यक्ति फास्ट फूड व्यय के आकड़ों में 10वें पायदान पर स्थित है (आशाकिरण एवं दीप्ति, आर0 2012)। आहार के वैश्वीकरण एवं जंक फूड की खपत ने पारंपरिक स्वस्थ आहार प्रथाओं को समाप्त कर दिया है। जंक फूड जल्द तैयार होने वाले, सुविधाजनक व सस्ते होते हैं। जो सभी आयु वर्ग को पसंद आते हैं (बोमेन, एस.ए. एण्ड विनयार्ड, बी0टी0. 2004)।

साहित्य की समीक्षा

मालुश्ते, आर0 इत्यादि (2022): इस शोध का उद्देश्य फास्ट फूड की खपत और खपत को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करना था। अध्ययन में 16–19 वर्ष के किशोरों के बी0एम0आई0 कारकों का सहसम्बन्ध स्थापित करना था। बेतरतीब ढंग से 219 किशोर नमूने के लिए चुने गये व क्रॉस सेक्शनल डिजाइन का प्रयोग किया गया। परिणामों में पाया गया कि 24 प्रतिशत किशोरों ने सप्ताह में तीन से चार बार फास्ट फूड का सेवन किया तथा 14 प्रतिशत ने दिन में एक बार फास्ट फूड का सेवन किया। मिठाई, कन्फैक्शनरी, पिज्जा, फ्राइड स्नैक्स, बर्गर और उच्च वसा वाले सैण्डविच की खपत ने बी0एम0आई0 के साथ सम्बन्ध दिखाया। फास्ट फूड के स्वाद और विज्ञापन को अधिक प्रभावित करने वाले तथ्य कारकों में प्रमुख था। अन्य प्रभावित करने वाले कारकों में सीमित समय की उपलब्धता, साथियों का प्रभाव, किफायती मूल्य, ब्राण्डिंग, आसान उपलब्धता आदि सम्मिलित हैं।

लेस्टारी, ए0 इत्यादि (2021): यह शोध वर्णनात्मक अनुसंधान है। 4 छात्र नमूने के रूप में सम्मिलित किये गये जिसमें एक ग्रेड 1 हाईस्कूल के छात्र थे। शोध का उद्देश्य जंक फूड खाने वाले छात्रों द्वारा अनुभव की जाने वाली घटनाओं का पता लगाना था कि कई कारक किशोरों को जंक फूड खाने के लिए प्रेरित करते हैं। इन कारकों पर पुस्तक सन्दर्भ एवं लेखों के आधार पर चर्चा की गई कि जंक फूड की खपत को प्रभावित करने वाले कारकों में स्वाद, साथियों का प्रभाव, कीमत, आरामदायक जगह सम्मिलित हैं। मोटापा, मधुमेह उच्चरक्त चाप एवं डिसलिपिडमिया जैसे रोगों का जोखिम जंक फूड बढ़ा सकता है।

सिल्वा, डी0 एम0 जे0 इत्यादि (2021): इस शोध का उद्देश्य ब्राजील में वर्ष 2019 में तीन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जंकफूड श्रृंखला के पदों पर विज्ञापन के तरीकों की जाँच करना था। अध्ययन में पार-अनुभागीय डिजाइन का प्रयोग व 305 विज्ञापन सम्मिलित किये गये। जंक फूड की पोस्ट पर उनके आधिकारिक इंस्टाग्राम, यूट्यूब एवं फेसबुक खातों पर विज्ञापन रणनीतियों एवं खाद्य संवर्धन निगरानी के लिए इनफॉर्मर्स प्रोटोकॉल के अनुसार जाँच की गयी। विज्ञापन पैटर्न की पहचान के लिए प्रत्येक प्लेटफॉर्म में प्रिंसीपल कम्पोनेंट एनालिसिस (PAC) नियोजित किया गया था। अध्ययन में पाया गया कि तीनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जंक फूड श्रृंखला के विज्ञापन बच्चों पर लक्षित थे। जिनमें वस्तु के मूल्य छूट के लिए बड़ी हस्तियों को सम्बोधित किया गया था। इससे निष्कर्ष में निकलता है कि सोशल मीडिया अस्वास्थ्यकर विज्ञापनों को विज्ञापित करता है।

भवानी, वी0 एवं प्रभावती देवी, एन0 (2020): इस शोध का उद्देश्य कॉलेज के छात्रों के जंक फूड से सम्बन्धित आहार सम्बन्धी आदतों का अध्ययन करना था। निष्कर्ष में निकला कि फूड का सेवन करने की मुख्य वजह भूख थी। अधिकांश छात्रों का पसंदीदा खाद्य पदार्थ आइसक्रीम व अधिकांश छात्रों को प्रभावित करने वाला कारण स्वाद था।

बोहरा, एस0 एस0 इत्यादि (2020): इस शोध का उद्देश्य जंक फूड की खपत एवं उससे सम्बन्धित कारकों का पता लगाने के लिए था। नेपाल के जिला कासिद में 538 किशोर छात्रों के बीच एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन आयोजित किया गया। स्तरीकृत अनुपातिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग प्रतिभागियों को चुनने के लिए किया गया और स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग डाटा संग्रह के लिए किया गया। अध्ययन में पाया गया कि आधे से अधिक प्रतिभागियों (60.30 प्रतिशत) ने पिछले 30 दिनों

में जंक फूड का सेवन किया जो कि पब्लिक स्कूल में प्रति भागियों में अधिक प्रचालित था। फास्ट फूड की खपत निजी स्कूल के प्रतिभागियों द्वारा भी की गयी। निष्कर्ष में पाया कि सार्वजनिक स्कूल व निजी स्कूल दोनों में जंक फूड की खपत प्रमुख थी। आसानी से उपलब्धता, तैयार और पैकेजिंग के कारण जंक फूड की खपत अधिक थी। नेपाल सरकार को जंक फूड निर्माताओं द्वारा विज्ञापन नीतियों, स्वास्थ्य दावों को सख्ती से विनयमित व मानकीकृत करना चाहिए।

वैद्य, एन. (2013): इस शोध के अध्ययन का उद्देश्य शहरी किशोरों के बीच फास्ट फूड के सेवन की व्यापकता का पता लगाना था। शहर के 80 किशोर छात्रों को बेतरतीव नमूना विधि द्वारा चुना गया। आंकड़ों को एकत्रित करने के लिए श्रीनगर शहर के स्कूलों एवं कॉलेजों में छात्रों से प्रश्नावली से आंकड़े प्राप्त किए एवं साक्षात्कार भी लिए गए। अध्ययन से निष्कर्ष में पाया गया कि जंक फूड की खपत में मुख्य परिवर्तनशील अंतर पाया गया क्योंकि लड़कियाँ पूर्व में जंक फूड की खपत में अग्रणी थीं और निजी स्कूल वाले किशोर बाद में थे। दूसरी ओर, जंक फूड के सेवन में स्वाद, ब्राण्ड विविधता एवं उपलब्धता मुख्य बल पाये गए। जंक फूड की व्यापकता में शहरीकरण, मीडिया प्रभाव व विज्ञापन प्रमुख कारक पाये गए।

सामग्री और विधि (Material And Method)

शोधकर्ता द्वारा आँकड़ों का संग्रह अलीगढ़ जिले के ब्लॉक में उपस्थित विद्यालय से किया गया है। विद्यालय में पढ़ने वाले 11-18 वर्ष की आयु के 400 किशोरों को यादृच्छिक नमूने द्वारा लिया गया है। जिसमें 200 किशोर लड़के व 200 किशोर लड़कियों ने भाग लिया। क्रॉस सेक्सनल पद्धति का प्रयोग करते हुए विभिन्न क्षेत्र वर्ग से आने वाले किशोर लड़के व किशोर लड़कियों पर अध्ययन किया गया। किशोरों से जानकारी प्राप्त करने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का उपयोग किया गया। जिसमें उत्तरदाताओं की प्रतिक्रियाओं को गुमनाम रखा गया था। जिसमें किशोरों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन करना था।

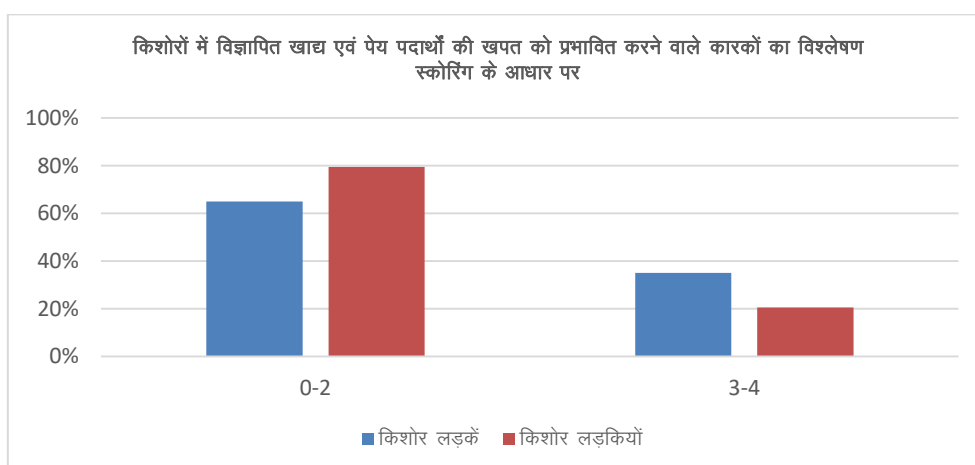
परिणाम और चर्चाएं (Result & Discussion)

किशोरों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण स्कोरिंग के आधार पर

सारणी 1

स्कोर अनुक्रमणिका Score Index (Min-0 & Max-4)	किशोर लड़कें (N=200)%	किशोर लड़कियाँ (N=200)%
0-2	65%	79.5%
3-4	35%	20.5%

चित्र-1



किशोरों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत को प्रभावित करने वाले कारकों का विश्लेषण स्कोरिंग के आधार पर किया गया। तब परिणामों में पाया गया कि 65 प्रतिशत किशोर लड़कों ने कम स्कोर प्राप्त किया व 79.5 प्रतिशत किशोर लड़कियों ने कम स्कोर प्राप्त किया। निष्कर्षों में पाया गया कि विज्ञापनों को आकर्षित ढंग से प्रस्तुत करने, एक वस्तु खरीदने पर दूसरी वस्तु मुफ्त, पसन्दीदा सितारों द्वारा किये गये विज्ञापनों से प्रभावित एवं दोस्तों द्वारा किसी उत्पाद के बारे में जानकारी बताने पर किशोर लड़कों की तुलना में किशोर लड़कियां विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत के कारकों से अधिक प्रभावित होती हैं।

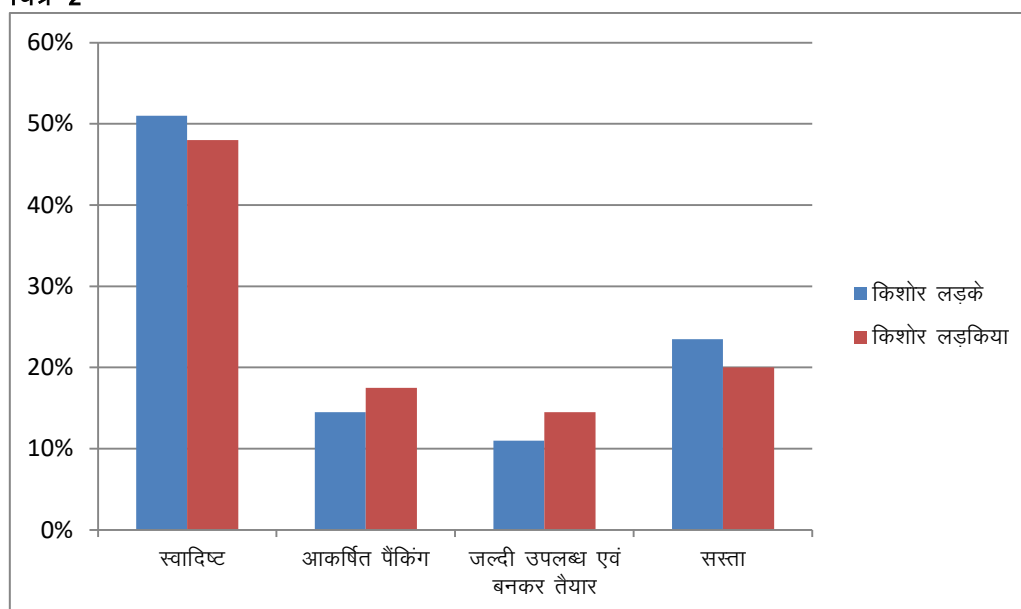
शोध के परिणामों में पाया गया कि किशोरों में विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) लड़कों में 1.721 ± 1.176 पाया गया। जबकि लड़कियों में 1.724 ± 1.178 पाया गया। कुल लड़कों व लड़कियों का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) 1.712 ± 1.167 पाया गया।

किशोरों की विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत के अन्य कारकों का विश्लेषण

सारणी 2

प्रश्न Question	खपत के कारक Factor of Consumption	किशोर लड़के % (N=200)	किशोर लड़कियाँ % (N=200)
खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत को प्रभावित करने वाले अन्य कारक	- स्वादिष्ट - आकर्षित पैकिंग - जल्दी उपलब्ध एवं बनकर तैयार - सस्ता	51% 14.5% 11% 23.5%	48% 17.5% 14.5% 20%

चित्र-2



शोध के परिणामों में पाया गया कि विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों की खपत के अन्य महत्वपूर्ण कारकों में 51% लड़कों व 48% लड़कियाँ खाद्य पदार्थों को स्वादिष्ट होने के कारण, 14.5% लड़कों व

17.5% लड़कियाँ आकर्षित पैकिंग के कारण, 11% लड़कें व 14.5% लड़कियाँ कम समय में जल्दी उपलब्ध एवं बनकर तैयार होने के कारण व 23.5% लड़कें व 20% लड़कियाँ सस्ता होने के कारण विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों से प्रभावित होते हैं। खाद्य पदार्थों की खपत के महत्वपूर्ण कारकों में देखा गया कि भोज्य पदार्थों का स्वादिष्ट होना, आकर्षित पैकिंग, कम समय में जल्दी उपलब्ध व बनकर तैयार होने के कारण एवं सस्ता होने के कारणों में से भोज्य एवं पेय पदार्थों का स्वादिष्ट होना सबसे अधिक किशोरों में खपत को प्रभावित करता है।

किशोरों में खाद्य एवं पेय पदार्थों से सम्बन्धित खाद्य ज्ञान एवं खाद्य व्यवहार (Food Knowledge and Food Behaviour) का विश्लेषण

खाद्य ज्ञान (Food Knowledge) का मूल्यांकन: खाद्य ज्ञान प्रश्नावली में जंक फूड से सम्बन्धित बहुविकल्पीय प्रश्न छात्रों से भरवाये गये थे। सभी प्रश्नों के लिए, एक सही उत्तर था और प्रत्येक सही उत्तर के लिये एक अंक प्रदान किया गया था और सभी गलत उत्तरों के लिये 0 अंक प्रदान किया गया था। इस खण्ड में छात्रों से जंक फूड की जानकारी, जंक फूड में मौजूद पदार्थ व पोषक तत्वों से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित थे। इस खण्ड में अधिकतम स्कोर 17 प्राप्त किया जा सकता था व 0 न्यूनतम स्कोर था। खाद्य ज्ञान (Food Knowledge) स्कोर को कम स्कोर, मध्यम स्कोर व उच्च स्कोर के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

किशोरों में खाद्य एवं पेय पदार्थों से सम्बन्धित खाद्य ज्ञान (Food Knowledge) का विश्लेषण

सारणी 3

श्रेणी	मानक स्कोर (Min-0 & Max-17)	कुल संख्या (N=400)	किशोर एवं किशोरियाँ %	औसत एवं मानक विचलन (Mean ±SD)
खाद्य ज्ञान (Food Knowledge)				
कम स्कोर	0-7	114	28.5%	9.62 ±3.15
मध्यम स्कोर	8-12	198	49.5%	
उच्च स्कोर	13-17	88	22%	

परिणाम: 400 किशोर एवं किशोरियों में खाद्य ज्ञान से सम्बन्धित उत्तर प्रतिक्रियाओं को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया। जिसमें 28.5 प्रतिशत किशोर व किशोरियाँ ने कम स्कोर, 49.5 प्रतिशत ने मध्यम स्कोर व 22 प्रतिशत ने उच्च स्कोर प्राप्त किया। जिसमें कुल किशोर व किशोरियों का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) 9.62±3.15 था।

किशोरों में खाद्य एवं पेय पदार्थों से सम्बन्धित खाद्य व्यवहार (Food Behaviour) का विश्लेषण

खाद्य व्यवहार का मूल्यांकन: खाद्य व्यवहार में खाद्य व्यवहार से सम्बन्धित बहुविकल्पीय प्रश्न छात्रों से भरवाये गये थे। सभी प्रश्नों के लिए एक सही उत्तर था और प्रत्येक सही उत्तर के लिये एक अंक प्रदान किया गया था और सभी गलत उत्तरों के लिये 0 अंक प्रदान किया गया था। इस खण्ड में पसन्दीदा जगह से तैयार भोजन व पसन्दीदा पेय पदार्थों से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित किये गये थे। इस खण्ड में अधिकतम स्कोर 2 प्राप्त किया जा सकता था व 0 न्यूनतम स्कोर था। खाद्य व्यवहार (Food Behaviour) स्कोर को कम स्कोर, मध्यम स्कोर व उच्च स्कोर के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

सारणी 4

श्रेणी	मानक स्कोर (Min-0 & Max-2)	कुल संख्या (N=400)	किशोर एवं किशोरियां %	औसत एवं मानक विचलन (Mean ±SD)
खाद्य व्यवहार (Food Behaviour)				
कम स्कोर	0	65	16.25%	1.18 ±0.688
मध्यम स्कोर	1	198	49.5%	
उच्च स्कोर	2	137	34.25%	

परिणाम: 400 किशोर एवं किशोरियों में खाद्य व्यवहार से सम्बन्धित उत्तर प्रतिक्रियाओं को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया। जिसमें 16.25 प्रतिशत किशोर व किशोरियां ने कम स्कोर, 49.5 प्रतिशत ने मध्यम स्कोर व 34.25 प्रतिशत ने उच्च स्कोर प्राप्त किया। जिसमें कुल किशोर व किशोरियों का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) 1.18 ± 0.688 था।

निष्कर्ष

निष्कर्ष में पाया गया कि 48% लड़कियों की तुलना में 51% लड़कें विज्ञापित खाद्य एवं पेय पदार्थों के स्वादिष्ट होने के कारण प्रभावित होते हैं। खाद्य ज्ञान (Food Knowledge) का कुल किशोर व किशोरियों का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) 9.62 ± 3.15 पाया गया एवं खाद्य व्यवहार (Food Behaviour) का कुल किशोर व किशोरियों का औसत (Mean) व मानक विचलन (S.D.) 1.18 ± 0.688 पाया गया।

संदर्भ:

- आशाकिरण, व. दीप्ति, आर0 (2012). फास्ट फूड एण्ड देयर इम्पेक्ट ऑन हेल्थ. *जर्नल ऑफ कृष्णा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइन्सेज यूनिवर्सिटी, वॉल्यूम-1(2)*.
- भवानी, वी0 एण्ड प्रभावती देवी, एन0 (2020). जंक एण्ड सिंक: ए कम्पेरिटिव स्टड ऑन जंक फूड इन्टेक एमंग स्टूडेन्स ऑफ इण्डिया, *शानलेक्स इंटरनेशनल जर्नल ऑफ आर्ट्स, साइंस एण्ड ह्यूमैनिटीज*, पृ0 सं0 13-18.
- ‘भोजन का विज्ञापन.’ भोजन और संस्कृति का विश्वकोश. इनसाइक्लोपीडिया.कॉम. 18 सितम्बर 2023
- बोहरा, एस0 एस0, थापा, के0, भट्ट, एल0 डी0, धामी एस0 एस0, एण्ड बागले, एस0 (2021). डिटरमाइनेन्ट्स ऑफ जंक फूड कन्जम्पशन एमंग एडोलसेन्ट्स इन पोखरा वैली, नेपाल. *फ्रंटियर्स इन न्यूट्रीशन*, 8, 109.
- बोमन, एस0 ए0 एण्ड विनयार्ड, बी0 टी0 (2004) : फास्ट फूड कन्जम्पशन ऑफ यू0 एस0 एडल्ट्स : इम्पेक्ट ऑन एनर्जी एण्ड न्यूट्रीएन्ट इन्टेक्स एण्ड ओवर वेट स्टेटस, जे0 एम0 कॉलेज *न्यूट्रीशन, वॉल्यूम-23 पृ0 सं0 163-168*.
- सिल्वा, जे0 एम0, डी पाउला माटोस, जे0 रोड्रिग्स एम0 बी0, मैस, एल0 ए0 क्लोरो, आर0 एम0, एण्ड होर्ता, पी0 एम0 (2022). एडवरटाइजिंग पैटर्न्स ऑफ ए फास्ट फूड चैन ऑन सोशल मीडिया इन ब्राजील. *पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशन वॉल्यूम 25(8)*, पृ0 सं0 2246-2253.
- FSSAI: (2020, अगस्त 11). FSSAI बैन सेल एण्ड एडवरटाइजिंग ऑफ जंक फूड इन एण्ड एराउण्ड 50 मीटर ऑफ स्कूल प्रीमिसेस. *इण्डिया टूडे.इन*
- कौशिक, जे0 एस0, नारंग एम0, पारख, ए0 (2011). फास्ट फूड कन्जम्पशन इन चिल्ड्रन. *इण्डियन पेडियाट्रिक्स, वॉल्यूम-48 (2)*, पृ0 सं0 97.
- लेस्टारी, ए0, फखीरा, ए0, इरिमयाना, ए0, एण्ड अनीसा, ए0 (2021). फास्ट फूड कन्जम्पशन बिहेवियर इन एडोलसेन्ट्स. *मुहम्मदियाह इंटरनेशनल पब्लिक हेल्थ एण्ड मेडिसन प्रोसिडिंग. वॉल्यूम-1(1)*, पृ0 सं0 607-616.
- मालुश्ते, आर0, जाधव, एस0, एण्ड हेडाओ, आर0 (2022). डू फास्ट फूड मिलिअस इनप्लुएंस द इटिंग बिहेवियर्स एण्ड बी0एम0आई0 ऑफ एडोलसेन्ट्स?. *फूड साइन्स एण्ड टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम-10(1)*, पृ0 सं0 1-8
- वैद्य, एन., (2013). प्रिवलेन्स ऑफ फास्ट फूड इन्टेक एमंग अरवन एडोलसेन्ट्स स्टूडेन्ट्स. *द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग. 2(1)*. 353-359